मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 41 | अंक : 276 | गुरुवार, 1 फरवरी 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

/ulhasvikas | संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

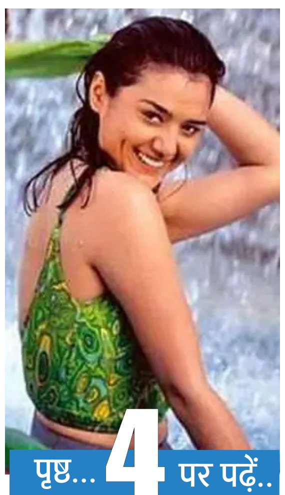

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

6 साल बाद कमबैक करेंगी प्रीति जिंटा

गोल मैदान में योगा केंद्र का बोर्ड अंग्रेजी में!

■ क्यों नहीं हो रही कोई कार्रवाई!

उल्हासनगर. शहर में दुकानों पर लगे मराठी बोर्ड को लेकर जहां एक ओर मनपा ने आक्रामक रुख अपनाया, वहीं दूसरी ओर गोल मैदान के मनपा योग केंद्रों के बोर्ड अंग्रेजी में होने का खुलासा हुआ है. अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर ने इस संबंध में कार्रवाई के संकेत दिए हैं और योग केंद्र पर कब्जे को लेकर विवाद पैदा होने की आशंका है.

उल्हासनगर महानगर पालिका ने मराठी बोर्ड नहीं लगाने वाली दुकानों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए दंडात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है. हालाँकि, महानगर पालिका के स्वामित्व वाले गोलमैदान स्थित योगा केंद्र की साइन बोर्ड अंग्रेजी में है और उस पर विधायक कुमार आयलानी की तस्वीर है। भले ही स्टेडियम हरित क्षेत्र में आता है, फिर भी मैदान में निर्माण कार्य हुए हैं। ज़मीन को प्लॉट में विभाजित किया गया था और कुछ प्लॉट को पट्टे पर दिया गया था। विधायक कुमार आयलानी की विधायक निधि से मैदान के एक तरफ योगा केंद्र और बगल में बैडमिंटन कोर्ट बनाया गया। योगा केंद्र और बैडमिंटन का प्रभारी महानगर पालिका प्रशासन है या कोई और? ऐसा सवाल उठ रहा है. जबकि दोनों केंद्रों का उपयोग निजी संस्थाएं कर रही हैं और लोगों का आरोप है कि मनपा अधिकारी राजनीतिक दबाव में कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

इस संदर्भ में महानगर पालिका उपायुक्त अशोक नाइकवाड़े का कहना है कि गोल मैदान में बना योग केंद्र मनपा का है और इसका कब्जा भी मनपा के पास है. लेकिन कुछ लोग मुफ्त योगा केंद्र चला रहे हैं।

ठाणे जिले को मिलेगा स्वच्छ पानी

■ ठाणे जिला परिषद में जिला स्तरीय कार्यशाला

ठाणे. जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के तहत जल गुणवत्ता नियंत्रण एवं सर्वेक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को ठाणे जिला परिषद द्वारा जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया.

इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रूपाली सातपुते ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को टिकाऊ और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना आवश्यक है।

कार्यशाला का आयोजन जिला परिषद के तहत जल गुणवत्ता एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत किया गया था. कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. सातपुते ने किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुलकर्णी ने की. इस कार्यशाला के लिए सभी जिला स्तरीय विभाग प्रमुख और तालुका स्तरीय समूह विकास अधिकारी, उप-अभियंता, तालुका स्वास्थ्य अधिकारी, विस्तार अधिकारी, पंचायत विस्तार अधिकारी, स्वास्थ्य कनिष्ठ अभियंता, समूह समन्वयक, समूह समन्वयक, जल गुणवत्ता निरीक्षक आदि उपस्थित थे।

विभाग के अधिकारी अनिल निचिते ने ठाणे जिले में पानी की गुणवत्ता और सर्वेक्षण तथा विभिन्न प्रकार के पानी के नमूना परीक्षण की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी. अपने अध्यक्षीय भाषण में, कुलकर्णी ने उल्लेख किया कि जिले के सभी ग्रामीणों को स्वच्छ और प्रचुर मात्रा में पानी उपलब्ध कराने के लिए जिले में प्रणाली सक्रिय है। कार्यशाला की मुख्य तकनीकी मार्गदर्शक गायत्री चावरे ने विभिन्न प्रकार के जल नमूना परीक्षण का मार्गदर्शन किया। इसमें मुख्य रूप से जल गुणवत्ता नियंत्रण, सर्वेक्षण, जल गुणवत्ता प्रबंधन आदि के बारे में गहन जानकारी दी जाती है कि वर्षा जल किस प्रकार प्रदूषित होता है। इस कार्यशाला में जल प्रदूषण के प्रकार, ग्राम पंचायत की भूमिका, जिम्मेदारी, लोगों का समुदाय, पानी की गुणवत्ता की जांच करके पेयजल शुद्धिकरण, पानी कीटाणुशोधन प्रक्रिया, क्लोरीन पाउडर के बारे में जानकारी, ओटी परीक्षण कैसे करें आदि के बारे में मार्गदर्शन दिया गया।

कुख्यात बुकी अनिल जयसिंघानी को हाई कोर्ट से मिली जमानत

मुंबई. पिछले साल अमृता फड़णवीस ने मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि सट्टेबाज अनिल जयसिंगानी ने उनसे रंगदारी मांगी है. उस संबंध में मामला पहले सेशन कोर्ट और फिर हाई कोर्ट में दायर किया गया था. अनिल जयसिंगानी की जमानत याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस निज़ामुद्दीन जमादार की अदालत में दायर की गई थी। बुकी अनिल जयसंघानी को हाई कोर्ट के जस्टिस निज़ामुद्दीन जमादार की अदालत ने संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान जमानत दे दी है। कोर्ट ने यह आदेश 31 जनवरी को जारी किया है.

बुकी अनिल जयसिंगानी की बेटी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की पत्नी अमृता फड़णवीस से पहचान बनाई थी. इसके बाद दावा किया गया कि पिता ने लड़की पर दोस्ती करने का दबाव डालकर उसके जरिए अमृता फड़णवीस को फंसाने का जाल बिछाया था. इसके जरिये फिरौती मांगने की कोशिश की. इसके बाद अमृता फड़णवीस ने मालाबार हिल पुलिस स्टेशन में शिकायत भी दर्ज कराई. एफआईआर दर्ज करने के बाद पिता-पुत्री को गिरफ्तार कर लिया गया।

अनिल जयसिंगानी की बेटी को कुछ शर्तों पर जमानत दी गई है. लेकिन अनिल जयसिंगानी अपने ऊपर कई मामले दर्ज होने के कारण हिरासत में थे. लेकिन उन्होंने जमानत पाने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी. बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस निजामुद्दीन जमादार की एकल पीठ ने उनकी जमानत अर्जी मंजूर कर ली.

17 अलग-अलग आपराधिक मामले दर्ज

सट्टेबाज अनिल जयसिंगानी पर 17 अलग-अलग आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसका कई अपराधों का रिकॉर्ड है. अनिल जयसिंगानी को गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा और महाराष्ट्र की पुलिस ने विभिन्न अपराधों में गिरफ्तार किया था। अनिल जयसिंगानी की बेटी और भाई निर्मल को 2023 में कोर्ट ने जमानत दे दी थी. अब हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है, जिससे अनिल जयसिंगानी की तलोजा जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया है.

अंबरनाथ नपा प्रशासन एवं बिल्डर के खिलाफ अनशन

■ गरीब का घर तोड़ दिया
■ 4 वर्षों से न्याय नहीं मिला
■ प्रहार जनशक्ति ने दिया समर्थन

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ फुले नगर में 5 वर्ष पूर्व नगर परिषद अतिक्रमण विभाग ने एक गरीब व्यक्ति कृष्णा गजदाने का घर तोड़ दिया था. अब उस जगह पर एक बिल्डर ने अपनी बिल्डिंग खड़ी कर दी है, लेकिन कृष्णा को नपा प्रसासन एवं बिल्डर ने अभी तक घर नहीं दिया है, जिसके कारण उसका पूरा परिवार बेघर हो गया है.

कृष्णा ने प्रहार जनशक्ति पक्ष के बैनर तले एवं पक्ष उपाध्यक्ष आलम खान के नेतृत्व में नपा कार्यालय के समक्ष अनशन शुरू कर दिया है. कृष्णा ने बताया कि 27 फरवरी 2018 को नपा ने फुले नगर में उनका पुराना घर ध्वस्त कर दिया था. उनका आरोप है कि नपा प्रशासन और बिल्डर की मिलीभगत से उनका घर तोड़ा गया है. नपा प्रशासन ने बिल्डर से बात करके उन्हें घर दिला कर दे. प्रसासन ने आच 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी उत्तर नहीं दिया है. घर जब तक नहीं मिलेगा, तब तक मैं अपना अनशन पीछे नहीं लूंगा. ऐसा पीड़ित कृष्णा का कहना है. मुझे कुछ हो गया तो उसके जिम्मेदार नपा प्रशासन और बिल्डर होगा. ऐसा सीधा जवाब उन्होंने पत्रकारों को दिया है. प्रहार जनशक्ति के आलम खान का कहना है कि नपा प्रशासन ने घर तोड़ने के बाद कहा था कि उनसे गलती हो गई है. ऐसाअहसास भी नपा के तोड़ कार्रवाई करने वाले कर्मचारियों ने जताया है. प्रशासन ने कृष्णा को घर बनाकर दे. उनके साथ अन्याय हुआ है. इसलिए प्रहार जनशक्ति पक्ष ने उनका साथ दिया है. कृष्णा का परिवार आज तक बेघर है. वह नपा के चक्कर लगा-लगाकर थक गए हैं. उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है. इसलिए वह आमरण अनशन पर बैठ गए हैं.

इडली विक्रेता ने ग्राहक को जमकर पीटा

ठाणे. शहर में एक इडली विक्रेता द्वारा एक ग्राहक की जमकर पिटाई करने का मामला सामने आया है. घटना 29 जनवरी की रात साढ़े बारह बजे की है. प्रणीत शेखर लिजबुड 26 अपने मित्र किरण के साथ रवि स्टील नाका गांधीनगर रास्ते पर इडली खाने के लिए गया था.इडली खाते समय रवि ने इडली बेचने वाले से कहा इडली इतनी छोटी क्यों है.इतनी सी बात पर इडली विक्रेता सेलवम नाडार ने ग्राहक को गाली गलौज देने लगा.

कल्याण पूर्व के सब रजिस्ट्रार कार्यालय में एसीबी का छापा

रिश्वत लेते सब रजिस्ट्रार रंगे हाथ गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण पूर्व के रजिस्ट्रेशन कार्यालय में ठाणे की एंटी करप्शन ब्यूरो ने जाल बिछाकर सब रजिस्ट्रार को गिरफ्तार किया है। उस समय सब रजिस्ट्रार राज कोली एक फ्लैट की रजिस्ट्रेशन के लिए 12 हजार की रिश्वत ले रहे थे। सब रजिस्ट्रार कोली के साथ एक निजी व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार रजिस्ट्रेशन कार्यालय के सब रजिस्ट्रार कोली ने एक घर का रजिस्ट्रेशन करने के लिए शिकायतकर्ता से 24 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। मोलभाव के बाद यह रकम 12 हजार रुपए में तय हुई। रकम देने के पहले शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो को दी। बुधवार को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने कल्याण पूर्व के रजिस्ट्रेशन कार्यालय में जाल बिछाया और 12 हजार की नकद रिश्वत लेते हुए सब रजिस्ट्रार राज कोली को दबोच लिया। राज कोली को गिरफ्तार करने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी है।

350 छात्र विषबाधा के शिकार, 10 गंभीर

उल्हासनगर. तालुका के वासिंद क्षेत्र के भाटसई में संत गाडगे महाराज प्राथमिक और माध्यमिक आश्रम स्कूल के 350 छात्रों को दोपहर के भोजन में दाल, चावल, सब्जियां और गुलाब जामुन दिया गया. जिसके बाद विद्यार्थियों को उलटी, जी मिचलाना और चक्कर आने लगे.

जैसे ही मामला प्रबंधन के ध्यान में आया, स्कूल के शिक्षकों ने स्थानीय लोगों की मदद से छात्रों को तुरंत एक निजी वाहन से शाहपुर उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया।

विषबाधा का शिकार हुए छात्रों का फिलहाल इलाज चल रहा है. बताया गया है कि शाहपुर उपजिला अस्पताल में 60 लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से 10 छात्रों की हालत गंभीर है.

फरवरी में ठाणे जिले में महारोजगार मेला

■ महारोजगार मेले को सफल बनाने के लिए समन्वय से प्रयास करें -मुख्यमंत्री

ठाणे. युवाओं के लिए रोजगार का मतलब उसके परिवार के लिए खुशी, संतुष्टि है। इसलिए नमो रोजगार अभियान के तहत नमो महारोजगार मेले को सफल बनाने के लिए सभी विभाग कड़ी मेहनत करें। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने यह भी निर्देश दिया कि इसके लिए मुख्यमंत्री सचिवालय से नियंत्रित किया जाएगा और सरकार की तरह ही नमो महारोजगार मेले को भी सफल बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए.

नमो महारोजगार अभियान के तहत ठाणे जिले में आयोजित होने वाले महारोजगार मेले की तैयारियों के संबंध में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सह्याद्री अतिथि गृह में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मनोज सौनिक, कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ. पी. गुप्ता आदि मौजूद रहे।

एमआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विपिन शर्मा, ठाणे कलेक्टर अशोक शिंगारे आदि ने ऑडियो विजुअल प्रणाली के माध्यम से भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार सरकार आपके द्वार अभियान में सफल रही है. इसी तरह, नमो महारोजगार अभियान के तहत नागपुर में महारोजगार मेला सफल रहा है। इसी प्रकार, सरकार के सभी विभागों को मिलकर काम करना चाहिए और भविष्य में आयोजित होने वाले महारोजगार मेलों को सफल बनाना चाहिए। इस बैठक में भाग लेने वाले कुशल एवं अकुशल युवाओं की श्रेणी की जानकारी भी उपलब्ध करायी जाय। मंत्री लोढ़ा ने यह भी कहा कि महारोजगार मेला महाराष्ट्र राज्य की एक विशिष्ट गतिविधि है.

मनपा के 6 इंजीनियरों के भरोसे हजारों करोड़ के विकास कार्य

उल्हासनगर. हजारों करोड़ के विकास कार्यों की योजना बनाने की जिम्मेदारी मनपा के 6 इंजीनियरों पर आ गई है. उनके मुताबिक मनपा ने सेवानिवृत्त और संविदा इंजीनियरों को नियुक्त कर शहर में ऐसी छवि बना दी है कि चल रहे विकास कार्यों पर किसी का नियंत्रण नहीं है.

उल्हासनगर मनपा के अंतर्गत 426 करोड़ की भूमिगत सीवरेज योजना, 150 करोड़ की एमएमआरडीए सड़क योजना, 123 करोड़ की जलापूर्ति वितरण योजना, 43 करोड़ की बुनियादी सुविधा योजना आदि 1 हजार करोड़ के कार्य क्रियान्वित किए गए हैं। हालांकि, इस काम को नियंत्रित करने के लिए मनपा के पास केवल 6 इंजीनियर पद हैं और प्रत्येक को 3 से 4 पदों की जिम्मेदारी दी गई है. 7 सेवानिवृत्त इंजीनियरों को अस्थायी आधार पर नियुक्त किया गया है और उनकी सहायता के लिए 18 अनुबंधित नए इंजीनियरों को नियुक्त किया गया है। शहर में विकास कार्यों की सारी जिम्मेदारी इन 6 इंजीनियरों पर आ गई है और ये विवादों में भी घिर गए हैं क्योंकि इन्हें आरोप-प्रत्यारोप का सामना करना पड़ रहा है.

मनपा के ये 6 इंजीनियर शहर में हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्यों को नियंत्रित करने में कम पड़ रहे हैं और आरोप है कि विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं. इन इंजीनियरों का समय मनपा की बैठकों, मंत्रालय, कलेक्टोरेट और अन्य जगहों पर बर्बाद हो रहा है और विकास कार्यों पर नियंत्रण कौन करेगा? यह प्रश्न है। पूर्व में 400 करोड़ के फंड से क्रियान्वित जलापूर्ति वितरण योजना की इसी तरह के बोझ को लेकर आलोचना हो रही है. 426 करोड़ की भूमिगत सीवरेज योजना के तहत कोई भी सड़क खोदे जाने और सीवर पाइप डाले जाने पर नागरिकों ने सवाल उठाए। आरोप लगाया जा रहा है कि पहले से छोटे साइज के पाइप बिछाए जा रहे हैं और कहा जा रहा है कि महानगर पालिका के पास योजना का ब्लूप्रिंट ही नहीं है. साथ ही नवनिर्मित सड़कें शहरी विकास योजना के अनुरूप नहीं होने के कारण भी नागरिक आरोप लगा रहे हैं.

> वर्तमान में मनपा में कुल 6 इंजीनियर के पद हैं और 7 सेवानिवृत्त इंजीनियर और 18 इंजीनियरों को अनुबंध के आधार पर लिया गया है। इंजीनियर के पद पर जल्द ही भर्ती की जाएगी और विज्ञापन प्रक्रिया जारी है.
>
> **- अशोक नाइकवाड़े,** उपायुक्त मनपा

> मनपा सीमा में 1 हजार करोड़ के फंड से विभिन्न विकास कार्य चल रहे हैं. साथ ही प्रस्तावित कार्य भी सरकार के विवेक पर निर्भर हैं। इंजीनियरों के पद कम होने से दबाव बढ़ गया है।
>
> **संदीप जाधव,** शहर अभियंता, मनपा

कडोंमपा के 5 सहायक आयुक्तों का तबादला

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली मनपा आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के 5 सहायक आयुक्तों का तबादला कर और उनका खाता बदलकर मनपा अधिकारियों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। प्रीति गाडे को सामान्य प्रशासन विभाग नियुक्त किया गया है और उन्हें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वार्ड सी के सहायक आयुक्त तुषार सोनवणे को हटा दिया गया है और उनके स्थान पर भंडार विभाग के अधीक्षक और वार्ड सी के प्रभारी सहायक आयुक्त संजय साबले को इस पद का प्रभार सौंपा गया है।

अंबरनाथ के पत्रकारों ने 'मूकनायक' पाक्षिक का वर्धापन दिन मनाया

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने 103 वर्ष पूर्व मूकनायक शुरू किया था

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने 31 जनवरी 1920 को 'मूकनायक' पाक्षिक जारी किया था. अंबरनाथ के पत्रकारों ने मूकनायक पाक्षिक का वर्धापन दिन बुधवार को अंबरनाथ नगर परिषद पत्रकार कक्ष में मनाया. शहर के कई पत्रकारों के साथ नगर परिषद के अधिकारी एवं राकांपा के शहराध्यक्ष सदाशिव पाटिल उपस्थित थे.

इस एक महिने में चार पत्रकारों आर. एस. वर्मा, धर्मेंद्र दुबे, घडयाली और हाल ही में स्वदेश मालवीया का निधन हुआ. इन पत्रकारों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई. इससे पूर्व अंबरनाथ नगर पालिका के आंगन में महात्मा गांधी एवं डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्णाकृति पुतले पर फूलमालाएं अर्पित की गई. सदाशिव पाटिल, मानकर साहेब प्रशासन अधिकारी, जन्म मृत्यु विभाग अधिकारी प्रियंका गांगुर्डे, पत्रकार यूसुफ शेख, राजू सूर्यवंशी ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पत्रकारिता और आज के पत्रकारिता के बीच का विश्लेषण किया और कहा कि डॉ. आंबेडकर ने जिस प्रकार स्वच्छ और निडर पत्रकारिता की, अंग्रेजों के खिलाफ आवाज को उठाकर देश को न्याय दिलाया, उसी राह पर हमें भी चलना है.

उपरोक्त अधिकारियों के अलावा पूर्व नगरसेवक विलास जोशी, आस्थापना विभाग के अधीक्षक सुनिल जाधव, कनिष्ठ अभियंता बांधकाम विभाग विशाल राठोड़, राज मो. शेख उपस्थित थे. संचालन सुनिल केदारे ने एवं आयोजन प्रफुल्ल थोरात ने किया. पत्रकारों में सुनिल अहिरे, सीझर लॉरेंस, राजू सूर्यवंशी, यूसुफ शेख, पंकज पाटिल, कमर काजी, उम्मान शाह, शत्रुघ्न उमप, निसार खान, अजय चिरिविला, तन्वीर शेख, पुष्पराज गायकवाड़, अरविंद भानुशाली उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

चौतरफा संकट में पाकिस्तान

ह पाकिस्तान में आगामी आठ फरवरी को आम चुनाव होने जा रहे हैं, जबकि देश की जनता भारी मुश्किलों में फंसी हुई है। वहां महंगाई आसमान छू रही है। जमाखोरी और मुनाफाखोरी बढ़ रही है। पाकिस्तान पर 63,399 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। चीन के अलावा कहीं और से उसे उधार भी नहीं मिल रहा है। पाकिस्तान ने जिन आतंकियों को पाला है, वे भी सक्रिय हैं। इसके अलावा पाकिस्तान ने भारत, ईरान और अफगानिस्तान जैसे अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते खराब कर लिए हैं, जिसके चलते उसकी मुश्किलें बढ़ रही हैं। बताया जा रहा है कि चुनाव के मद्देनजर इस्लामाबाद की चार यूनिवर्सिटी को भी बंद कर दिया गया है। भारी संख्या में अर्ध सैनिक बल तैनात करके सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। राजनीतिक पार्टियां जोर-जोर में प्रचार में लगी हुई हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मुखिया इमरान खान जेल में हैं। उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न बल्ला छीन लिया गया है। उनके उम्मीदवार स्वतंत्र तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। पहले भी केंद्र की सत्ता में रह चुकी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो का दावा है कि उनकी पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र रोटी, कपड़ा और मकान से ही जुड़ा हुआ है। यदि पीपीपी जीतती है, तो बिलावल ही प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे। आम ख्याल यह है कि मतदाता पीपीपी को भरपूर वोट देंगे, क्योंकि इस पार्टी के नेताओं ने बड़ी कुर्बानियां दी हैं और पाकिस्तान के लोग उन्हें भूले नहीं हैं। लेकिन दुनिया भर की निगाहें नवाज शरीफ पर लगी हैं, जिन्हें मुल्क की अदालतों ने भ्रष्टाचार के सभी आरोपों से बरी कर दिया है। बताया जाता है कि पाकिस्तान की सेना अनौपचारिक रूप से नवाज शरीफ का समर्थन कर रही है। यानी सेना किसी भी सूरत में नवाज शरीफ को सत्ता दिलाने की कोशिश करेगी। कुछ समय पहले नवाज शरीफ कह चुके हैं कि 'कश्मीर का मसला इस्लामाबाद शालीनता के साथ हल करना चाहता है। हमारे देश की समस्याएं न तो भारत की देन हैं और न अमेरिका की। हमने अपने पांव पर खुद ही कुल्हाड़ी मारी है।' मगर अब नवाज शरीफ की पार्टी मुस्लिम लीग (नवाज) ने जो चुनावी घोषणा पत्र जारी किया है, उसमें भारत से कश्मीर को लेकर अगस्त, 2019 का फैसला वापस लेने के लिए शर्त लगाई है, लेकिन उनकी यह शर्त कभी पूरी नहीं होगी। इस चुनावी गहमागहमी के बीच ईरान से पाकिस्तान की ठन गई है, जबकि कुछ दिनों पहले तक दोनों अच्छे मित्र थे। अचानक पाकिस्तानी आतंकवादियों ने ईरान पर मिसाइल से हमला कर दिया और फिर अगले दिन ईरान ने जवाबी कार्रवाई की।

एक राष्ट्र एक चुनाव : खजाने का बोझ कम करने की मंशा

नि र्वाचन अर्थात जन प्रतिनिधियों का चुनाव प्रतिनिधि लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह सर्वविदित है कि भारत प्रतिनिधि लोकतंत्र का सर्वोत्तम उदाहरण है, क्योंकि यह न केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि यह सबसे सफल लोकतंत्रों में से भी एक है। भारत में निर्वाचन की एक और बड़ी विशेषता यह भी है कि यहां एक आदर्श संसदीय प्रणाली की भांति प्रत्यक्ष और परोक्ष, दोनों ही प्रकार के निर्वाचन का मिश्रित प्रावधान है।

प्रत्यक्ष लोकतंत्र के लिए हमने फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट प्रणाली अपनाई है, जिसका अर्थ यह है कि सबसे अधिक वैध मत प्राप्त करने वाला प्रत्याशी विजयी होता है। यह प्रणाली ग्राम पंचायत, राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा के निर्वाचन में प्रयोग में लाई जाती है। दूसरी ओर, अप्रत्यक्ष निर्वाचन के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत एकल संक्रमणीय पद्धति का प्रयोग जिला परिषद, विधान परिषद, राज्यसभा, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में किया जाता है। यहां यह उल्लेख भी समीचीन होगा कि संरचना की दृष्टि से भारत एक संसदीय परिसंघ है। अतः राज्यों में निर्वाचन भी संसदीय निर्वाचन के समान महत्वपूर्ण है। ऐसी स्थिति में अगर लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचन को एक साथ (एक तिथि पर या एक निश्चित समय सीमा के भीतर) कराया जाए, तो कदाचित इससे न केवल निर्वाचन की स्वतंत्रता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो सकती है, बल्कि राज्य के खजाने पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव को भी कम किया जा सकता है। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा के पीछे यही मंशा है। इस रूप में इसकी संरचनात्मक प्रासंगिकता पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाया जा सकता।

सितंबर, 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित कर उसे इसकी व्यवहार्यता बताने की जवाबदेही दी गई थी। समिति द्वारा 'मैक्रोइकनॉमिक इंपैक्ट ऑफ हार्मोनाइजिंग इलेक्टोरल साइकल, एविडेंसेज फ्रॉम इंडिया' नामक शोध पत्र के आधार पर यह संकेत दिया गया है कि एक साथ चुनाव से उच्च आर्थिक विकास को गति मिलेगी, और पूंजी व राजस्व पर व्यय में सरकारी निवेश अधिक होगा। निर्वाचन आयोग और अन्य अंशधारकों के साथ की गई वार्ताओं से प्रेरित होकर समिति ने जनता से इस विषय पर राय मांगी थी।

हाल ही में एक उत्साहवर्धक आंकड़ा सामने आया है। लगभग 81 प्रतिशत सुझाव 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के पक्ष में है। निश्चित रूप से सरकार के लिए यह एक बड़ा प्रेरणा स्रोत होगा। लेकिन अब भी मंजिल पाना बहुत सरल नहीं है। एक ओर इसका विरोध करने वालों द्वारा उठाए गए मुद्दों को संबोधित करना आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर इसके सांविधानिक पक्षों पर गौर करना भी अनिवार्य है। ध्यातव्य हो कि 1967 तक देश में एक साथ चुनाव कराए जाते रहे थे, लेकिन 1968 और 1969 में कुछ राज्यों की विधानसभाओं के भंग हो जाने के कारण यह परंपरा टूट गई। इस पूरी प्रक्रिया में यही मुद्दा सबसे गंभीर है। इसके अतिरिक्त, इतने बड़े पैमाने पर एक साथ चुनाव कराने के लिए ईवीएम, लॉजिस्टिक समर्थन और अन्य अवसंरचनात्मक सुविधाओं की उपलब्धता भी एक बड़ी चुनौती होगी। गौरतलब है कि इस प्रस्ताव को सांविधानिक आधार देना सबसे महत्वपूर्ण होगा, जो भारत में संविधान की सर्वोच्चता और विधि के शासन के प्रचलन के अनुरूप होगा। इसके लिए कई सांविधानिक प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता होगी। सबसे पहले, अनुच्छेद 83 और 85, जो क्रमशः संसद के सदनों की अवधि और राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा को भंग करने से संबंधित है, में संशोधन की आवश्यकता है। इसी प्रकार, अनुच्छेद 172, जो राज्य विधानमंडलों की अवधि से संबंधित है और अनुच्छेद 174 राज्य विधानमंडलों के विघटन से संबंधित है, में भी संशोधन आवश्यक है। एक और प्रावधान, जिसमें संशोधन की आवश्यकता होगी वह अनुच्छेद 356 है, जो राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने से संबंधित है। ध्यातव्य हो कि एक संसदीय समिति ने भारत के निर्वाचन आयोग सहित विभिन्न हितधारकों के परामर्श से एक साथ चुनाव के मुद्दे की जांच की थी।

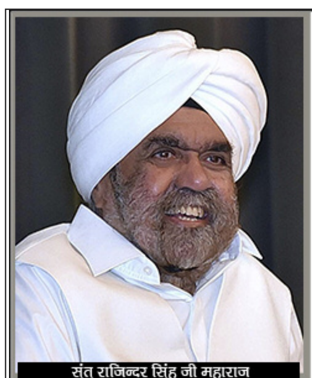

जिस खुशी को हम ढूंढ रहे हैं, वो हमारे भीतर हमारी आत्मा के स्तर पर मौजूद है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कौड़ियों के दाम खरीदी एंबुलेंस, अब शान से घूमता है दुनिया !

ह र कोई अपने सपने को पूरा करने के लिए कुछ न कुछ करता है. इसके लिए कोई बड़ा आशियाना और लग्ज़री गाड़ियां खड़ी

जरा हट के

करता है तो कोई ऐसा भी कर सकता है कि कबाड़ जैसी चीज़ से भी अपना सपना पूरा कर लेता है. आज एक ऐसे ही सीजे ग्रे नाम के शख्स की कहानी बताएंगे, जिसने कबाड़ से बेहतरीन जुगाड़ कर लिया.

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 34 साल के सीजे ग्रे ने दुनिया

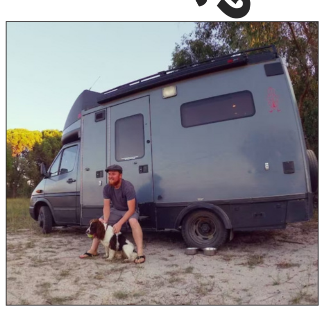

घूमने का अलग ही जुगाड़ निकाल लिया. इंग्लैंड के रहने वाले ग्रे ने एक लगभग रिटायर हो चुकी कबाड़ जैसी एंबुलेंस को खरीदा.

कोवेंट्री के निवासी ग्रे ने एक बिल्कुल रिटायर हो चुकी एंबुलेंस को ईबे से खरीदा. ये एक प्राइवेट मेडिकल फर्म की ओर से इस्तेमाल की जा रही थी. वैसे तो ग्रे को एक सामान्य वैन चाहिए थी लेकिन उन्होंने सस्ते में एंबुलेंस को देखकर खरीद लिया.

वैन में सीजे ग्रे ने इलेक्ट्रिक्स और बाकी का ज़रूरी काम करा लिया. इसके लिए करीब साढ़े 4 लाख रुपये लगाकर उन्होंने रेनोवेट किया और अब इसे लेकर दुनिया के अलग-अलग देशों में घूम रहे हैं. 6 साल से वो इसी एंबुलेंस में रह रहे हैं.

ग्रे बताते हैं कि वो वैन में लगातार काम कर रहे हैं. उनका कहना है कि लगातार वो इसमें बदलाव और सुधार करते ही जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि एंबुलेंस लेने में फायदा ये था कि इसमें पहले से ही काफी चीज़ें मौजूद थी. इसमें उन्होंने हीटर, एयरकॉन, इनवर्टर और जरूरी इलेक्ट्रिक चीज़ें लगाई हुई हैं.

वो इसके अंदर आराम से लैपटॉप पर गेम खेलते हैं और एंबुलेंस में ही टीवी रखी हुई है. ग्रे कहते हैं कि वो ज्यादा से ज्यादा दिनों तक इसी तरह रहना चाहते हैं. वो घर में रहने को मिस भी नहीं करते हैं. सर्दियों में लाइफ थोड़ी मुश्किल ज़रूर हो जाती है लेकिन वो वापस घर में नहीं रहना चाहते.

गांधी का रामराज्य एक सच्चा लोकतंत्र है

हे राम! महात्मा गांधी के ये आखिरी शब्द थे। अपने इन अन्तिम शब्दों के साथ महात्मा गांधी ने 30 जनवरी सन 1948 के दिन दुनिया को अलविदा कह दिया। गांधी एक सनातनी हिन्दू थे हिंदू धर्म में उनकी अटूट आस्था थी । उनके आदर्श ҈राम҈ और सपनों का भारत ''रामराज्य'' पर आधारित था। उनकी कल्पना के केन्द्र में एक ऐसे भारत का निर्माण रचा बसा था जिसमें असमानता, अशिक्षा, असन्तोष, अशान्ति, अनैतिकता, अंधकार की कोई जगह नहीं थी।

एक ऐसा राज्य जिसे श्री राम ने अयोध्या लौटने के बाद स्थापित किया था पुनः भारत में स्थापित करना ही गाँधी के जीवन का सार दिखाई देता है। एक ऐसा अद्वितीय आदर्श राज्य जिसकी मिशाल आदिकाल से अनन्त कालों तक दी जाती रहेगी। गांधी उसी रामराज्य की कल्पना करते थे। महात्मा गांधी के जीवन के मूल में राम ही थे। यह इस बात की तसदीक है कि गांधी के अन्तिम शब्द भी हे राम! ही थे।

गांधी का राम के राज्य जैसी धार्मिक सदभाव की भावना रखते थे। दुनिया के ज्यादातर धर्मो का सार जानने, समझने के साथ, 1947 में हरिजन में गांधी कहते हैं कि धर्म नैतिकता सिखाता है वे कहते थे कि, मेरा हिन्दुत्व मुझे सभी धर्मो का आदर करना सिखाता है। रामराज्य का रहस्य इसी में निहित है।

सबके अपने-अपने राम हैं, और सदियों से रहे हैं । किसी ने भक्ति में ढूंढा, किसी ने शक्ति में खोजा, किसी ने आत्मीयता तो किसी ने मानवता में राम को तलाश किया । गांधी के राम सबसे अलग हैं। गांधी के प्रातःकाल के भजनों में सबसे जनप्रिय 'रघुपति राघव राजा

राम' है जिसकी एक पंक्ति 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' तक जाती है। उन्होंने अपने इस भजन के माध्यम से प्रत्येक दिन संपूर्ण विश्व को यह संदेश दिया की राम और रहीम में कोई भेद नहीं हैं। दोनों का सार एक ही है, यही भारतीय संस्कृति का आदर्श है।

गांधी के राम बेहद उदार, सौम्य और करूणानिधान हैं, मानवता के पोषक हैं, भावना के भण्डार हैं, अभय की अमोघ शक्ति हैं राजा होकर भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थापित करने वाले हैं। छोटे बड़े के भेद से परे हैं, नारी के सम्मान के रक्षक हैं, युवाओं के मार्गदर्शक हैं, बच्चों के प्रेरणा श्रोत हैं । गांधी वर्ण व्यवस्था के हिमायती हैं और जाति-व्यवस्था के आलोचक हैं। गांधी सभी धर्म का सम्मान करते हुए हिन्दू धर्म को आदर्श मानते हैं।

गांधी सन 1929 में यंग इंडिया में लिखते हैं कि रामराज्य से मेरा अर्थ हिंदू राज्य नहीं हैं बल्कि ईश्वरीय राज्य से है, भगवान के राज्य से है। गांधी का रामराज्य एक सच्चा लोकतंत्र है जिसमें समाज के हर तबके को समान प्रतिनिधित्व मिले, सभी के हितो का ध्यान रखा जाए वे कहते थे, ''मेरी कल्पना के राम कभी इस पृथ्वी पर रहे हों या न रहे हों, रामराज्य का प्राचीन आदर्श निस्संदेह एक सच्चा लोकतंत्र है जिसमें क्षुद्रतम नागरिक भी लंबी-चौड़ी और महंगी प्रक्रिया के बिना शीघ्र न्याय पा सकता है। कवि के वर्णन के अनुसार रामराज्य में कुत्ते तक को न्याय मिला था।'' (यंग, 19.09.1929, पृ. 305)

गांधी के विचारों ने न केवल भारत अपितु दुनिया भर के लोगों को न केवल प्रेरित करने का काम किया बल्कि दया, अहिंसा, सहिष्णुता, और शान्ति की संस्कृति को फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गांधी का जीवन हाशिये पर खड़े लोगों और शोषित समाज की आवाज उठाने में समर्पित रहा। नये भारत का खाका तैयार करने में गांधी की अहम भूमिका है।

रात को क्यों ज्यादा रोते हैं न्यूबॉर्न बेबी!

दिन में सोने और रातभर जागने का क्या है संकेत

छो टे बच्चों की नींद का हिसाब पूरी तरह अलग होता है. वे दिन में सोते हैं, लेकिन रात होते ही जागना शुरू कर देते हैं. इतना ही नहीं, जागने के बाद बार-बार रोने लगते हैं. नवजात शिशु रात में अक्सर जागते रहते हैं. ऐसा अधिकतर बच्चों के साथ होता है और नॉर्मल माना जाता है. हालांकि कई बार परेशानी के चलते भी छोटे बच्चे रोना शुरू कर देते हैं. बाल रोग विशेषज्ञ की मानें तो न्यूबॉर्न बेबीज के सोने का चक्र बड़े लोगों की तुलना में अलग होता है. वे रात में जागते हैं, जबकि दिन में आराम से सो जाते हैं. इसकी वजह भी बेहद दिलचस्प है. चलिए विस्तार से जान लेते हैं.

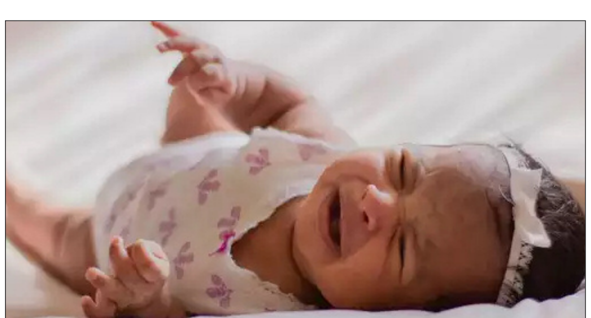

दिल्ली के फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी डिपार्टमेंट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अवधेश आहूजा के मुताबिक नवजात शिशु का जगने-सोने का चक्र कुछ इस तरह होता है कि रात में जागना और दिन में सोना. गर्भावस्था में मां जब दिन में चलती है तो बच्चे को झूला मिलता है और बच्चा आराम से सो जाता है. न्यूबॉर्न बेबी के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है. वैसे तो छोटे बच्चों का रोना नॉर्मल होता है, लेकिन रात के वक्त अगर बच्चा ज्यादा रो रहा है, तो इसकी वजह पेट में दर्द और गैस हो सकती है. रात के समय नवजात शिशु को पेट में दर्द ज्यादा होता है और गैस ज्यादा बनती है. आमतौर पर इस वजह से बच्चे ज्यादा रोते हैं.

डॉक्टर की मानें तो नजात शिशु रात में पेशाब करने के बाद भीग जाएं, तब भी रोने लगते हैं. ऐसे में रात में कई बार उनके डायपर को चेक करना चाहिए और जरूरत हो, तो बदलना चाहिए. बच्चे को भूख लगती है, तब भी वह रोने लगता है. ऐसे में रात में भी बीच-बीच में दूध पिलाएं. बच्चों को जन्म के बाद 6 महीने तक केवल स्तनपान करवाना चाहिए. ब्रेस्टफीडिंग के बाद 10 मिनट तक कंधे पर रखकर डकार निकालनी चाहिए. शिशु को रात में अपने साथ सुलाना चाहिए, ताकि वह बेहतर तरीके से सो पाए. नवजात शिशु रोए, तो अपनी मर्जी से किसी भी तरह का इलाज नहीं करना चाहिए. उसके कान या नाक में तेल आदि नहीं डालना चाहिए. ऐसा करने से इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है. अगर बच्चा ज्यादा रोए, तो डॉक्टर को दिखाएं.

एक्सपर्ट के अनुसार बच्चों को हेल्दी रखे के लिए उनकी साफ सफाई का विशेष खयाल रखना चाहिए. बच्चे को गोद लेने से बच्चे अपने हाथ धो लेने चाहिए, ताकि किसी तरह का इंफेक्शन न फैले. अगर घर में किसी को सर्दी खांसी या बुखार हो, तो शिशु से दूर रहें या मास्क का उपयोग करें. इसके अलावा एक बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि नवजात शिशु को पेट नीचे करके एक वर्ष तक ना सुलाएं. ऐसा करने से उसकी तबीयत खराब हो सकती है. नवजात शिशु के अधिक रोने पर, स्तनपान कम या ना कर पाने पर, बुखार आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. घर पर खुद इलाज करने से बचना चाहिए.

खाना-खजाना

क्रिस्पी स्प्रिंग रोल

रो जाना कुछ नया खाने की डिमांड को पूरा करना महिलाओं को मुश्किल लगता है। ऐसे में एक डिश की रेसिपी हम भी आपको बता रहे हैं जिसे आप शाम के स्नैक्स में बना सकते हैं। ये रेसिपी है स्प्रिंग रोल की। इसे अक्सर लोग रेस्तरां में ऑर्डर करते हैं। हालांकि, आप स्प्रिंग रोल को घर में बना सकते हैं। जानिए टेस्टी और क्रिस्पी स्प्रिंग रोल बनाने का आसान तरीका।

सामग्री :

शीट बनाने के लिए-

- आधा कप मैदा
- 1/4 टी स्पून नमक
- 1/4 कप पानी
- 1/4 कप दूध
- 3 बड़े चम्मच तेल और पानी को एक साथ मिलाकर इस्तेमाल करें।
- आधा चम्मच बेकिंग सोडा

फिलिंग के लिए-

- 1 कप पतागोभी
- 1 कप बारीक कटा हुआ स्प्रिंग अनियन
- 1 कप बारीक कटी गाजर
- 1/2 टी स्पून नमक
- तेल
- 4 लहसुन की कलियां
- 1 टी स्पून सोया सॉस
- मैदा-पानी का पेस्ट

कैसे बनाएं स्प्रिंग रोल

स्प्रिंग रोल की शीट बनाने के लिए सभी चीजों को मिला लें। इस मिक्स से स्प्रिंग रोल शीट बनाएं। अब फिलिंग तैयार करने के लिए एक बड़ा चम्मच तेल गर्म करें और इसमें लहसुन और प्याज डालें, तेज आंच पर प्याज के नरम होने तक भूनें। फिर इसमें बाकी बची हुई चीजें डालें और तेज आंच पर पकाएं। फिर एक शीट लें और इसके किनारों पर पानी-मैदा का पेस्ट लगाएं। अब इसमें फिलिंग भरें, इसके बाद इसे आखिरी तक फोल्ड करें। इसके किनारों को आटे का घोल लगाकर अच्छे से सील कर दें। इसे अच्छे से सील करना जरूरी है। ताकि फ्राई करते वक्त यह तेल में बिखर न जाएं। जब ये बन जाए तो इसे तल लें। इसे एक बार हल्का तलें और फिर दोबारा फ्राई करें।

आइब्रो बनवाते समय होता है बहुत दर्द

आजमाएं ये 5 आसान ट्रिक्स

घनी और मोटी आईब्रो देखने में अच्छी लगती हैं। लेकिन अच्छे लुक के लिए इन्हें सही शेप देना काफी जरूरी होता है। यही वजह है कि कुछ महिलाएं हर महीने इसे शेप देती हैं, इससे चेहरे की खूबसूरती बढ़ जाती है। लेकिन कुछ महिलाएं आइब्रो को शेप देने के लिए थ्रेडिंग से बचती हैं, क्योंकि इस दौरान काफी दर्द होता है। खास

कर उनको जिनकी हेयर ग्रोथ काफी ज्यादा हो। अगर आपको भी थ्रेडिंग करवाते समय काफी ज्यादा दर्द होता है तो आप इन ट्रिक को अपनाकर दर्द से निपट सकती हैं।

1) दर्द से निपटने के लिए थ्रेडिंग बनवाने से पहले आइब्रो पर बर्फ अप्लाई करें। इससे कूलिंग इफेक्ट मिलता है, जिसकी वजह से दर्द नहीं होता। दरअसल, बर्फ लगाने से स्किन सुन्न हो जाती है, जिससे थ्रेडिंग करते समय दर्द का पता नहीं चलता है।
2) थ्रेडिंग बनवाते वक्त एलोवेरा जेल लगा सकते हैं। ये ना सिर्फ आईब्रो बनवाने से पहले बल्कि बाद में भी लगाई जा सकती है। इस जेल में मौजूद कूलिंग इफेक्ट आपको दर्द और जलन दोनों से बचाएगा।
3) थ्रेडिंग करवाते समय स्किन हमेशा टाइट रखें। इसके लिए ऊपर और नीचे की त्वचा को दोनों हाथों से खींच कर रखें। जब स्किन टाइट रहेगी तो आपको दर्द नहीं होगा।
4) थ्रेडिंग बनवाते वक्त पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ज्यादा दर्द होता है तो इसे ज्यादा लगावाएं। इसे लगाने से बालों को निकालना आसान होता है। जिससे दर्द भी कम होगा।
5) थ्रेडिंग से होने वाले दर्द से निपटने के लिए सबसे आसान तरीका है कि आप थ्रेड को गीला कर लें। ऐसा करने पर भी दर्द कम होता है।

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

कोलेस्ट्रॉल से लेकर डायबिटीज में करता है असर

मौसमी फल सेहत के लिए सबसे ज्यादा असरदार होते हैं। ठंड के मौसम में अमरूद बेहद कॉमन फल है। जिसके फायदों को लोग अक्सर हल्के में लेते हैं। लेकिन अमरूद को अगर रोजाना खाया जाए तो ठंड में इम्यूनिटी बढ़ने के साथ ही सर्दी-जुकाम से बचाव होता है। वहीं ये फल और भी कई बीमारियों जैसे कब्ज में असरदार है। सबसे खास बात कि केवल अमरूद का फल ही नहीं बल्कि इसकी पत्तियां भी बेहद असरदार होती है। अगर इन पत्तियों को रोज खाया जाए तो ढेर सारे हेल्थ बेनिफिट्स मिलते हैं। जानें अमरूद की पत्तियों को खाने के फायदे।

दांतों की समस्या दूर होती है

अमरूद की पत्तियां मुंह की कैविटी को खत्म करने और मसूड़ों के बैक्टीरिया को खत्म करने में असर दिखाती है। रोजाना सुबह अमरूद की दो से तीन पत्ती चबाने से दातों में कैविटी और मुंह से आने वाली बदबू से छुटकारा मिल जाता है।

डायबिटीज को करता है मैनेज

हर दिन अगर खाना खाने के बाद अमरूद के पत्तों की चाय पी जाए तो तो ये ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद करती हैं। अमरूद की चाय में मौजूद कंपाउंड दो तरह की शुगर शुक्रोज और माल्टोज के अब्जार्बन को रोकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करता है

लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन यानी एलडीएल शरीर में ज्यादा हो जाता है तो दिल की सेहत को नुकसान होता है। न्यूट्रिशन एंड मेटाबॉलिज्म स्टडी में पबलिश आर्टिकल के मुताबिक अमरूद के पत्तों की चाय पीने से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा शरीर में कम होती है।

वेट लॉस में मदद

अगर रोजाना अमरूद के पत्तों की चाय पी जाए तो ये कॉम्प्लेक्स कार्ब्स को शुगर में कन्वर्ट होने से रोकता है। जिससे बेली फैट को तेजी से कम होने के में मदद मिलती है।

सर्दी-जुकाम से बचाव

अमरूद की पत्तियों में विटमिन सी और आयरन की मात्रा काफी ज्यादा होती है। अगर इन पत्तियों का अर्क निकालकर पिया जाए तो सर्दी-जुकाम से जल्द राहत मिलती है। यहीं नहीं गले की खराश, सांस की नली में इंफेक्शन में भी ये बचाव करता है।

नींद की क्वालिटी में सुधार करता है

रोजाना अमरूद की चाय पीने से नींद की क्वालिटी में सुधार होता है और ज्यादा गहरी नींद आने में मदद मिलती है। ये नर्व्स सिस्टम और दिमाग को शांत करता है। जिससे गहरी नींद आती है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें।

वृषभ : आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा।

मिथुन : जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी।

कर्क : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह : कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या : मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है।

तुला : दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

धनु : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम के कार्य टालें।

मकर : विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा।

कुंभ : समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें।

मीन : राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

बुजुर्ग मां-बाप की गोली मारकर हत्या, कोर्ट ने माना दुर्लभतम अपराध, बेटे को फांसी

बरेली. बरेली में सम्पत्ति विवाद में वृद्ध मां-बाप की गोली मारकर हत्या करने के दोषी दुर्वेश गंगवार को न्यायाधीश ज्ञानेंद्र त्रिपाठी की कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 125 पेज के आदेश में हत्याकांड को दुर्लभतम अपराध की श्रेणी में मानते हुए दोषी को फांसी के फंदे पर मृत्यु होने तक लटकाने के सख्त आदेश दिये हैं। डीजीसी क्राइम सुनीति कुमार पाठक ने बताया कि थाना मीरगंज में बहरोली गांव के उमेश गंगवार ने एफआईआर दर्ज कराई थी। 13 अक्टूबर 2020 की तड़के साढ़े चार बजे सेवानिवृत्त शिक्षक पिता लालता प्रसाद (76) और मां मोहनदेई (75) की गोली मारकर भाई दुर्वेश गंगवार ने हत्या कर दी। पुलिस ने 9 नवंबर 2020 को मीरगंज के पास से उसे गिरफ्तार किया था। हत्यारोपी दुर्वेश की निशानदेई पर पुलिस ने आलाकत्ल तमंचा और उसके रक्त रंजित कपड़े बरामद किये थे। विवेचना के बाद पुलिस ने हत्यारोपी पुत्र दुर्वेश गंगवार के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

ट्रेन पलटाने की साजिश, रेलवे ट्रैक पर इंजन से टकराया कंक्रीट का ढक्कन

प्रयागराज. प्रयागराज में पूरामुफ्ती के छबीलेपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक पर मुरी एक्सप्रेस के आने से पहले बड़ा पत्थर रखने की साजिश अभी खुली नहीं कि अब मांडा रोड रेलवे ट्रैक पर कंक्रीट का बड़ा ढक्कन रखने का मामला सामने आ गया। शुक्र था कि यात्री ट्रेन के बजाय मालगाड़ी उधर से गुजरी और ओएचई पोल के कंक्रीट का ढक्कन ट्रेन के इंजन से टकरा कर दो टुकड़ों में बंट गया। कंक्रीट ढक्कन के टकराने की आवाज इतनी तेज हुई कि मालगाड़ी के चालक को ट्रेन रोकनी पड़ी। पत्थरनुमा आकार के मजबूत ढक्कन के टकराने से इंजन के सामने के हिस्से में दाग पड़ गया था। कई टुकड़े भी रेलवे लाइन पर बिखरे मिले। हादसा तो टल गया लेकिन बड़ी साजिश की आशंका के मद्देनजर आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस के अधिकारी पहुंच गए। घटना सोमवार देर शाम 7:56 बजे की है। प्रयागराज छिवकी पोस्ट मांडा रोड आरपीएफ की ओर से मामला दर्ज किया गया है।

यूपी में 50 साल पार बिजलीकर्मी होंगे रिटायर

लखनऊ. बिजली कंपनियां 50 साल की उम्र पूरी कर चुके कार्मिकों की कार्य क्षमता का मूल्यांकन करेंगी। इस मूल्यांकन में फिट नहीं पाए जाने वाले कार्मिकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जाएगी। उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन प्रबंधन के इस आदेश के बाद सभी बिजली कंपनियां 50 साल से अधिक आयु के हो चुके कार्मिकों की कार्यक्षमता के मूल्यांकन करने की तैयारी शुरू कर दी है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम की एमडी वी. चैत्रा ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। निगम कर्मचारियों यानी लेखा, लिपिक, टेक्निकल ग्रेड-दो, क्लास फोर की स्क्रीनिंग करेगा। इस कंपनी में तैनात जेई, एई, एसडीओ, एक्सईएन और अन्य अधिकारी जो कामन संवर्ग में आते हैं, उनकी स्क्रीनिंग कारपोरेशन प्रबंधन द्वारा कराई जाएगी।

गन प्वाइंट पर 20 लाख के नगदी-जेवर लूटे

पीलीभीत. पूरनपुर के बंडा चौराहे के निकट रहने वाले सुनील गुप्ता की मकान के नीचे किराने की दुकान है। रात कार सवार पांच बदमाशों ने गन प्वाइंट पर लेकर किराना व्यापारी को घर के अंदर ले गए। इसके बाद पत्नी साधना, पुत्री उन्नति, पुत्र अभिनव व आयु को गन प्वाइंट पर लेकर डाका डाला। इस दौरान नकाबपोश बदमाशों ने लाखों की नगदी और जेवर लूट लिया। लगभग 20 लाख रुपए की डकैती की सूचना मिलने के बाद एसपी और एएसपी ने पहुंचकर पड़ताल की। डाका डालने के बाद बदमाश शिकायत करने पर 8 दिन के अंदर परिवार को खत्म करने की धमकी देकर पूरनपुर की ओर फरार हो गए। बदमाश सीसीटीवी की डीवीडीआरबी अपने साथ ले गए।

कोर्ट ने ज्ञानवापी तहखाने में पूजा की इजाजत दी

- **वाराणसी के डीएम 7 दिन में पुजारी नियुक्त करेंगे**
- **31 साल से बंद था तहखाना**

वाराणसी जिला कोर्ट ने बुधवार को ज्ञानवापी के व्यास जी तहखाने में व्यास परिवार को पूजा की इजाजत दे दी है। 31 सालों से यानी 1993 से तहखाने में पूजा-पाठ बंद था। कोर्ट के कहा कि वाराणसी के डीएम 7 दिन के अंदर पुजारी नियुक्त करेंगे। इसके साथ व्यास परिवार पूजा-पाठ शुरू कर सकता है।

इससे पहले, कोर्ट ने 17 जनवरी को व्यास जी के तहखाने का जिम्मा डीएम को सौंप दिया था। डीएम ने मुस्लिम पक्ष से तहखाने की चाबी अपने पास ले ली थी। इसके 7 दिन बाद यानी 24 जनवरी को डीएम की मौजूदगी में व्यास तहखाने का ताला खोला गया था। वहीं, मुस्लिम पक्ष के वकील मेराजुद्दीन ने कहा कि फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। यह फैसला न्यायसंगत नहीं है।

1551 से मिलता है व्यास परिवार का सजरा

वाराणसी में व्यास परिवार वंशवृक्ष (सजरा) 1551 से मिलता है। सबसे पहले व्यास शतानंद व्यास थे, जो 1551 में इस मंदिर में व्यास थे। इसके बाद सुखदेव व्यास (1669), शिवनाथ व्यास (1734), विश्वनाथ व्यास (1800), शंभुनाथ व्यास (1839), रुकनी देवी (1842) महादेव व्यास (1854), कलिका व्यास 1874), लक्ष्मी नारायण व्यास (1883), रघुनंदन व्यास (1905) बैजनाथ व्यास (1930) तक यह कारवां चला।

4 महीने में कोर्ट ने सुनाया फैसला

25 सितंबर 2023 को शैलेंद्र व्यास ने वाराणसी कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ का अधिकार देने की मांग की थी। करीब 4 महीने बाद वाराणसी कोर्ट ने फैसला सुनाया है। ज्ञानवापी के व्यास जी तहखाने में 1993 से पहले सोमनाथ व्यास पूजा पाठ किया करते थे। हालांकि, बाद में पूजा पाठ बंद हो गई थी। 2020 में सोमनाथ व्यास का निधन हो गया था। इसके बाद शैलेंद्र व्यास ने कोर्ट से पूजा का अधिकार मांगा था।

जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की कोर्ट ने मंगलवार को बहस पूरी कर ली गई थी। इस दौरान अंजुमन इंतजामिया ने वकील मुमताज अहमद, एखलाक अहमद कहा था कि व्यासजी का तहखाना मस्जिद का पार्ट है। यह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है। इसलिए पूजा-पाठ की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

बैजनाथ व्यास की बेटी ने आगे बढ़ाया वंश

बैजनाथ व्यास को कोई बेटा नहीं था। इसलिए उनकी बेटी राजकुमारी ने वंश को आगे बढ़ाया। उनके बेटे सोमनाथ व्यास, चंद्र व्यास, केदारनाथ व्यास और राजनाथ व्यास ने परंपरा को आगे बढ़ाया। सोमनाथ व्यास का देहांत 28 फरवरी 2020 को हुआ। उनकी बेटी ऊषा रानी के बेटे शैलेंद्र कुमार व्यास हैं।

चीनी सैनिकों से भिड़े लद्दाख के चरवाहे

- **चीनी सेना भेड़ चराने से रोक रही थी**
- **चरवाहे डटे रहे, कहा- ये भारतीय जमीन**

लद्दाख में कुछ भारतीय चरवाहों ने चीन से लगी सीमा के पास चीन के सैनिकों को जवाब दिया। ये चरवाहे इस इलाके में भेड़ चराने आए थे। चीनी सैनिकों ने इन्हें रोका, जिसके बाद चरवाहों ने कहा कि हम भारतीय जमीन पर खड़े हैं। ये घटना इस महीने की शुरुआत की बताई जा रही है। 2020 में हुए गलवान विवाद के बाद से स्थानीय चरवाहे इस इलाके में अपने मवेशियों को चराने नहीं लाते थे। गलवान विवाद के बाद से ये पहली बार है जब चरवाहों ने इस इलाके को अपना बताया और चीनी सैनिकों को यहां से जाने को कहा। इस बातचीत का वीडियो सामने आया है। पूर्वी लद्दाख के चुशुल से पार्षद कोंचोक स्टेन्जिन ने सोशल मीडिया पर ये वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि देखिए किस तरह से हमारे स्थानीय लोगों ने चीन की सेना के सामने अपनी बहादुरी दिखाते हुए दावा किया कि जिस इलाके में उन्हें दाखिल होने से रोक रहे हैं, वह हमारे बंजारों की ही चरागाह भूमि है। उन्होंने आगे कहा कि चीन की सेना हमारे बंजारों को उनकी ही भूमि पर मवेशियों को चराने से रोक रही थी। मैं हमारे बंजारों को सलाम करता हूं, जो हमेशा हमारी जमीन की रक्षा के लिए देश की दूसरी संरक्षक शक्ति के रूप में खड़े रहते हैं।

कोंचोक बोले- भारतीय सेना के प्रति आभारी हूं

एक अन्य ट्वीट में कोंचोक ने लिखा कि पूर्वी लद्दाख के बॉर्डर वाले इलाकों में भारतीय सेना की फायर फ्यूरी कॉर्प्स सकारात्मक बदलाव लाई है, जिसे देखकर खुशी होती है। पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे से सटे चारागाह पर हमारे चरवाहों और बंजारों को हक दिलाने में सेना ने मदद की है। मजबूत सैन्य-नागरिक संबंध बनाने और बॉर्डर से सटे इलाकों के लोगों के हितों का ध्यान रखने के लिए भारतीय सेना का आभारी हूं।

क्या है भारत पेपर्स बैंक लोन घोटाला?

कश्मीर से लेकर यूपी तक ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारत पेपर्स लिमिटेड (बीपीएल) से जुड़े 200 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में बुधवार को जम्मू-कश्मीर, पंजाब और उत्तर प्रदेश में कई परिसरों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय एजेंसी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत इन क्षेत्रों में कम से कम नौ परिसरों की तलाशी ले रही है।

कंपनी के खिलाफ प्राथमिक आरोप यह है कि इसके निदेशकों ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई वाले बैंकों के कंसोर्टियम के साथ लगभग 200 करोड़ रुपये की ऋण धोखाधड़ी को अंजाम दिया। अन्य बैंकों में जम्मू एंड कश्मीर (जेएंडके) बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और करूर वैश्य बैंक शामिल हैं।

UCC लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा उत्तराखंड

- **सीएम धामी सरकार 6 फरवरी को विधानसभा सत्र में पेश करेगी विधेयक**

देहरादून. सीएम पुष्कर सिंह धामी सरकार ने उत्तराखंड में समान नागरिक सहिता-यूनीफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी-UCC) लागू करने की तैयारी लगभग पूरी कर ली है। यूसीसी के ड्राफ्ट को तैयार करने के लिए गठित विशेषज्ञ कमेटी 2 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को रिपोर्ट सौंपेगी।

कैबिनेट मंजूरी के बाद सरकार यूसीसी को लेकर 06 फरवरी को विधानसभा सत्र में विधेयक लाएगी। उत्तराखंड का विधानसभा सत्र 05 फरवरी से शुरू हो रहा है। बता दें कि धामी ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान उत्तराखंड में यूसीसी को लागू करने का वादा किया था।

प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री धामी ने राज्य मंत्रिमंडल की पहली बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को अपनी मंजूरी दे दी और 27 मई 2022 को पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया। उधर, मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यूसीसी हमारा विधानसभा चुनाव के समय का संकलप था।

इसे पूरा करने के लिए देवभूमि की जनता ने आशीर्वाद दिया। भाजपा सरकार ने जनता से जो वादा किया था, उसे अब साकार करने जा रहे हैं। विशेषज्ञ कमेटी ने ड्राफ्ट तैयार करने से पहले 143 बैठकें कीं और 2.31 लाख से ज्यादा लोगों से सुझाव लिए।

सीएम धामी का कहना था कि यूसीसी पर राज्य की जनता से किए गए वादे को भी पूरा किया जा रहा है। विदित हो कि समान नागरिक संहिता पर बनाई गई कमेटी का विगत दिनों कार्यकाल बढ़ाया गया था, लेकिन सीएम धामी के संकेत के बाद माना जा रहा है कि उत्तराखंड में यूसीसी लागू हो सकता है।

प.बंगाल में राहुल की कार का शीशा टूटा

- **अधीर रंजन बोले- किसी ने पत्थर मारा होगा**

मालदा. कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज बिहार से दोबारा पश्चिम बंगाल पहुंची है। यहां मालदा में राहुल की कार का शीशा टूट गया। पहले खबर आई कि राहुल की कार पर पत्थरों से हमला किया गया। इसकी जानकारी अधीर रंजन चौधरी ने दी। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐसे हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

इसके कुछ देर बाद कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि राहुल पर हमले की खबर गलत है। जब एक महिला राहुल से मिलने के लिए एकदम से आगे आ गईं, तब कार को अचानक रोकना पड़ा। इससे सुरक्षा घेरे में इस्तेमाल किए जाने वाली रस्से से कार की विंडशील्ड टूट गई। इसके बाद अधीर रंजन ने कहा कि हो सकता है किसी ने कार पर पीछे से पत्थर फेंका हो। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जरा सा ध्यान हटने से बहुत कुछ हो सकता है। ये एक छोटी सी घटना है, पर कुछ भी हो सकता था।

राहुल गांधी ने बिहार के पूर्णिया में नीतीश कुमार पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि नीतीश पर दबाव पड़ता है तो वो यू टर्न ले लेते हैं। वो शपथ लेते हैं तो खूब तालियां बजती हैं। उन्होंने ये भी कहा था कि नीतीश सीएम हाउस की ओर निकल जाते हैं, बाद में पता चलता है कि वो अपना शॉल राज्यपाल भवन में छोड़ आए हैं, उसे लेने वापस जाते हैं तो गर्वनर भी कहते हैं कि इतनी जल्दी आ गए।

वॉशरूम में महिलाओं के वीडियो बनाने पर स्कूल टीचर गिरफ्तार

- **नागपुर में इंडस्ट्रियल एक्सपो में वारदात की**
- **12 महिलाओं के बनाएं वीडियो**

नागपुर. महाराष्ट्र के नागपुर में एक स्कूल टीचर को वॉशरूम की खिड़की से महिलाओं के वीडियो बनाने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी टीचर 27 से 29 जनवरी के बीच नागपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित किए गए इंडस्ट्रियल एक्सपो 'एडवांटेज विदर्भ' में शामिल हुआ था। यहां उसने महिलाओं के 12 से ज्यादा वीडियो बनाए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ IPC और IT कानूनों की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था, हालांकि लोकल कोर्ट ने उसे जमानत दे दी। आरोपी की पहचान मंगेश विनायकराव खापरे (37) के रूप में हुई है। वह नागपुर के कसारपुरा का रहने वाला है और प्राइवेट स्कूल में आर्ट टीचर था। पुलिस का मानना है कि वे आरोपी मानसिक रूप से बीमार है।

आरोपी को एक्सपो का गेट डिजाइन करने का काम मिला था

पुलिस ने बताया को इस एक्सपो के गेट को डिजाइन करने का काम दिया गया था। वह इवेंट शुरू होने से चार दिन पहले ही वहां आ गया था। इवेंट के दौरान एक महिला को उसकी करतूत का पता चला और उसने आयोजकों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ अंबाझरी पुलिस स्टेशन में FIR की गई।

आरोपी की तलाश में अंबाझरी पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर विनायक गोल्हे और उनकी टीम यूनिवर्सिटी पहुंची। यहां कैंपस में सबसे पहले CCTV फुटेज खंगाले गए। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसका फोन जब्त कर लिया गया।

तमिलनाडु के मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक

- **मद्रास HC का सरकार को आदेश**
- **मंदिर पिकनिक स्पॉट नहीं, गेट पर नो-एंट्री का बोर्ड लगाएं**

चेन्नई. मद्रास हाई कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार को आदेश दिया कि मंदिरों में ऐसे बोर्ड लगाने चाहिए, जिसमें लिखा हो कि गैर हिंदुओं को मंदिर के अंदर जाने की अनुमति नहीं है।

कोर्ट ने कहा- मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं है कि कोई भी घूमने चला आए। हिंदुओं के अपने धर्म को मानने और उसका पालन करने का मौलिक अधिकार है। हाई कोर्ट की मदुरै बेंच की जस्टिस एस श्रीमथी ने डी सेंथिलकुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। सेंथिलकुमार पलानी हिल टेंपल डिवोटीज ऑर्गनाइजेशन के संयोजक हैं।

कोर्ट ने कहा- सरकार मंदिरों में उन गैर-हिंदुओं को अनुमति न दें जो हिंदू धर्म में विश्वास नहीं करते हैं। यदि कोई गैर-हिंदू मंदिर में दर्शन करना चाहता है तो उससे वचन लेना होगा कि उसे मंदिर के देवता में विश्वास है और वह हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों और प्रथाओं का पालन करेगा।

कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए टिप्पणी कि, मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट या पर्यटक स्थल नहीं है। भले ही वह ऐतिहासिक हो।

■ सरकार को निर्देश दिया- मंदिर गेट पर डिस्प्ले बोर्ड लगाएं

याचिकाकर्ता सेंथिलकुमार की मांग थी कि, अरुलमिगु पलानी धनदायुथापानी स्वामी मंदिर और अन्य मंदिरों में सिर्फ हिंदुओं को जाने की अनुमति दी जाए। वह यह भी चाहते थे कि सभी एंट्री गेट पर इस संबंध में डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएं। याचिका को स्वीकार करते हुए, अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वे मंदिरों के एंट्री गेट, ध्वजस्तंभ के पास और मंदिर के प्रमुख स्थानों पर 'गैर-हिंदुओं को मंदिर के अंदर जाने की अनुमति नहीं है' वाले बोर्ड लगाएं।

प्लेन में बैठते ही क्यों बिगड़ गई मयंक अग्रवाल की तबीयत?

क्रिकेटर मयंक अग्रवाल की तबीयत खराब होने की वजह सामने आ गई है. मयंक अग्रवाल फ्लाइट से त्रिपुरा से यात्रा कर रहे थे, फ्लाइट में उन्हें एक बोतल मिली और उन्होंने उसे पी लिया. लेकिन इस बोतल में कुछ ऐसा था, जिस वजह से उन्हें दिक्कत हो गई.

इस मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि मामले की जांच जारी है, बोतल में क्या था. वह अब स्थिर हैं और उन्हें आईएलएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है. दरअसल, कर्नाटक टीम के कप्तान मयंक रणजी मैच खेलकर अगरतला से लौट रहे थे, इसी दौरान एयरपोर्ट पर प्लेन में चढ़ते ही अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई. उनके मुंह और गले में तकलीफ होने लगी.

इसके बाद मयंक को तुरंत ही अगरतला के अस्पताल में भर्ती कराया गया. मयंक को किसी तरह का खतरा नहीं है और फिलहाल उनकी स्थिति बेहतर है.

मयंक अग्रवाल ने हाल ही में त्रिपुरा के खिलाफ 26 से 29 जनवरी के बीच अगरतला में मैच खेला था, जिसमें उन्होंने 51 और 17 रनों की पारी खेली थी. यह मैच कर्नाटक ने 29 रनों से जीता था. इस मैच के बाद मयंक को वापस लौटना था.

गले में दिक्कत हुई

मयंक को अगरतला से दोपहर 2:30 बजे फ्लाइट पकड़नी थी. वो फ्लाइट में बैठ भी गए थे, लेकिन इसी दौरान उन्हें गले में कुछ दिक्कत होने लगी. इसके बाद मयंक को तुरंत ही प्लेन से उतारा गया और अगरतला के अस्पताल में भर्ती कराया. मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक टीम को रणजी ट्रॉफी में अब अपना अगला मुकाबला 2 फरवरी को ही खेलना है. यह मैच रेलवे के खिलाफ सूरत में होना है. ऐसे में मयंक इस मुकाबले में खेल पाएंगे या नहीं? यह अभी स्पष्ट नहीं है.

झारखंड सीएम से ED की पूछताछ जारी

रांची. जमीन घोटाले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ जारी है। 7 अधिकारियों की टीम दोपहर 1:15 बजे सीएम हाउस पहुंची। इससे पहले 20 जनवरी को ईडी ने साढ़े सात घंटे पूछताछ की थी।

पूछताछ को लेकर रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। साथ ही ईडी कार्यालय, राजभवन और सीएम आवास के आसपास धारा 144 लगाया गया है। जेएमएम का प्रदर्शन भी हो रहा है। वहीं, ED की पूछताछ के दौरान राज्यपाल के आदेश पर गृह सचिव को हटा दिया गया है। गृह सचिव के अतिरिक्त प्रभार मुख्य सचिव को दिया गया है। इधर हेमंत सोरेन ने दिल्ली में ईडी के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। दिल्ली आवास पर 29 जनवरी को हुई रेड को लेकर मामला दर्ज करवाया है। आवेदन की कॉपी रांची के एससी एसटी थाना में भेज दी गयी है।

सियासी हलचल भी तेज है। मंगलवार को महागठबंधन दल के विधायकों की बैठक हुई। कहा जा रहा है कि बैठक में हेमंत सोरेन ने विधायकों से दो पेपर पर साइन करवाया है। एक में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन और दूसरे में विधायक चंपई सोरेन का नाम है।

मणिशंकर अय्यर को घर खाली करने का नोटिस

- **उनकी बेटी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का विरोध किया था**
- **सार्वजनिक माफी मांगें - RWA**

नई दिल्ली. कांग्रेस के दिग्गज नेता मणिशंकर अय्यर और उनकी बेटी सुरन्या अय्यर को दिल्ली के जंगपुरा स्थित अपना घर खाली करने का नोटिस मिला है। जो रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) ने भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर अभिषेक समारोह की निंदा करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट के लिए या तो सार्वजनिक माफी मांगे या घर खाली करें। नोटिस में लिखा गया है कि आपको ऐसे अपशब्दों का उपयोग नहीं करना चाहिए जिससे शांति भंग हो सकती है और अन्य निवासियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है।

आप सोचते हैं कि आपने अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिष्ठा के विरोध में क्या गलत किया है, तो हम आपको सुझाव देंगे कि कृपया किसी अन्य कॉलोनी में चले जाएं, जहां लोग इस तरह की नफरत पर अपनी आंखे बंद कर सकते हैं।

दरअसल, मणिशंकर की बेटी सुरन्या अय्यर ने 20 जनवरी को फेसबुक पोस्ट किया था। इसमें दावा किया था कि वह अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के विरोध में 3 दिन का व्रत कर रही है। उनका यह व्रत मुस्लिम नागरिकों के प्रति प्यार और दुख की अभिव्यक्ति है। RWA ने कहा है कि सुरन्या अय्यर ने सोशल मीडिया पोस्ट में जो कहा वह शिक्षित व्यक्ति के लिए अशोभनीय था। उन्हें समझना चाहिए कि राम मंदिर 500 साल बाद बनाया जा रहा है वो भी सुप्रीम कोर्ट ने फैसले के बाद। आप (सुरन्या) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ ले सकती हैं। RWA ने लिखा है कि आप अपने देश की भलाई के लिए राजनीति में कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन कृपया याद रखें कि आप जो भी कहते हैं, जो भी करते हैं उससे कॉलोनी का अच्छा और बुरा नाम होता है।

महाराष्ट्र शासन
जलसंपदा विभाग,
कार्यकारी अभियंता, ठाणे पाटबंधारे विभाग, कळवा-ठाणे.
ई मेल eetmidkalwa@gmail.com दुरध्वनी क्र. 022 25300664

ई-निविदा सुचना क्र. 10 सन 2023-24

महाराष्ट्र राज्याच्या राज्यपालांच्या वतीने कार्यकारी अभियंता, ठाणे पाटबंधारे विभाग, कळवा-ठाणे हे महाराष्ट्र शासन हे सक्षम निविदाकारांकडून खालील कामाकरीता निविदा मागवित आहेत. सविस्तर निविदा सुचना शासनाच्या https://wrd.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर व विभागीय कार्यालयाच्या सूचना फलकावर उपलब्ध आहे.

निविदा स्वीकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, ठाणे पाटबंधारे विभाग, कळवा-ठाणे यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्वीकारली जाणार नाही. सदर निविदा सूचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास विभागीय कार्यालयाच्या सूचना फलकावर उपलब्ध करुन देण्यात येईल.

अ. क्र.	कामाचे नाव	कामाची अंदाजित किंमत (रुपये)	कंत्राटदाराचा संवर्ग
1	2	3	4
1.	खोच ल. पा. योजना, ता. मोखाडा, जि. पालघर या योजनेवरील अस्तीत्वात असलेले आर.सी.सी. पाईप लाईन, एच. पी. डी. पाईप लाईनचे काम करणे.	1,27,95,345/-	4 व त्यावरील

1. ई-निविदा विक्री कालावधी : दि. 31/01/2024 ते दि. 14/02/2024
2. ई- निविदा उघडणे :- दि. 16/02/2024
3. कार्यक्षेत्रावरील Geo-Tagging ची प्रक्रिया दि. 5/02/2024 ते दि. 9/02/2024 या कालावधीत करण्यात येईल.
4. इतर आवश्यक माहिती व सविस्तर निविदा सुचना https://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळ वर उपलब्ध आहे.
5. संकेतस्थळावर प्रसिध्द होणा या निविदा उघडण्याची तारीख व वेळेनुसार कंत्राटदाराने किंवा त्याच्या अधिकृत प्रतिनिधीने उपस्थित रहावे अन्यथा निविदा उघडल्यास कोणतीही तक्रार स्वीकारली जाणार नाही.
6. कार्यकारी अभियंता, ठाणे पाटबंधारे विभाग, कळवा-ठाणे या कार्यालयातील सुचना फलक.

जा. क्र. ठापावि/लेशा 2/ 364/2024
कार्यकारी अभियंता, ठाणे पाटबंधारे विभाग,
कळवा-ठाणे यांचे कार्यालय,
दि. 24/01/2024.

सही/-
न. दा. महाजन
कार्यकारी अभियंता,
ठाणे पाटबंधारे विभाग,
कळवा-ठाणे

संक्षेप...

3 चेन स्नेचर गिरफ्तार

ठाणे. शहरीय क्षेत्र में सोने की चेन चुराने वाले ईरानी गिरोह के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और चोरी का आभूषण जब्त किया है.पुलिस अधिकारी ने बताया कि वर्तकनगर पुलिस की टीम गुप्त सूचना के आधार पर तीन सौ सीसीटीवी खंगालने के बाद आरोपी सलु इराणी 22 को अम्बिवली पाटिल नगर कल्याण से गिरफ्तार किया है.इसके पास से 2लाख बीस हजार कीमत के 30 ग्राम सोने की चेन एक मोटरसाइकिल जब्त किया है.दूसरा आरोपी और सैयद मिसम आबास उर्फ हरी सैयद 21 ईरानी मस्जिद अम्बिवली कल्याण का है.

मनपा व ट्रैफिक विभाग की लापरवाही से शहर जाम की चपेट में

- **ट्रैफिक नियोजन नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी**

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. पावरलूम नगरी भिवंडी से होकर गुजरने वाले भारी वाहनों एवम जगह, जगह बने हुए अवैध आटोरिक्शा स्टैंड की वजह से शहर यातायात जाम के मकड़जाल में फंसा हुआ है.शहर में चहुंओर अवैध आटोरिक्शा स्टैंडों की भरमार है.अवैध रिक्शा स्टैंड की वजह से नागरिकों को जाम की भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है.मनपा एव ट्रैफिक विभाग की संयुक्त लापरवाही का खामियाजा शहर के नागरिकों को भोगना पड़ रहा है.जनहित सामाजिक संस्था ने मनपा आयुक्त अजय वैद्य से भारी वाहनों का शहर में प्रवेश बंद करने एवम शहर में चारों ओर बने हुए अवैध आटोरिक्शा स्टैंड को हटाने की मांग की है.

गौरतलब हो कि, पावरलूम नगरी भिवंडी भारी वाहनों के दिनभर आवागमन एवं अवैध रूप से हर जगह बने हुए ऑटोरिक्शा स्टैंड से यातायात जाम से घिर गई है. भिवंडी में 24 घंटे आने जाने वाले भारी वाहनों से जाम समस्या विकराल रूप धारण कर रही है.समस्त सार्वजनिक स्थानों सहित प्रमुख चौराहों, फ्लाईओवर नीचे आसपास अवैध आटोरिक्शा स्टैंडों की भरमार हो गई है.ऑटो रिक्शा चालक यूनियन मनपा एवं ट्रैफिक

विभाग की बगैर मंजूरी लिए ही कहीं भी ऑटोरिक्शा स्टैंड होने का झंडा गाड़ कर मनमानी तरीके से रिक्शा खड़ी करना शुरू कर देते हैं.शहर स्थित मंडई, पार नाका, नजराना टॉकीज से शिवाजी चौक तक 4 रिक्शा स्टैंड अस्तित्व में है. इसी तरह मंडई से तीन बत्ती, गुप्ता स्वीट मार्ट,कोटर गेट मस्जिद, मनपा पुरानी बिल्डिंग जकात नाका तक आधा दर्जन रिक्शा स्टैंड बनाए जाने से ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा मनमानी तरीके से जाम को बढ़ावा दिया जा रहा है.कल्याण नाका स्थित भिवंडी कल्याण मार्ग, धामणकर नाका, बंजार पट्टी नाका मार्ग के दोनों किनारों पर ऑटोरिक्शा स्टैंड बने हुए हैं.बंजार पट्टी नाका पुराना नासिक महामार्ग, नदी नाका,शिवाजी चौक मार्ग के दोनों किनारों पर बने हुए रिक्शा स्टैंड से जाम की भयंकर समस्या को बढ़ावा मिल रहा है.इसी प्रकार

धामनकर नाका फ्लाईओवर के दोनों मार्ग के किनारे आटो रिक्शा स्टैंड होने का खामियाजा लोग भारी जाम की समस्या भोगने को विवश हैं. धामनकर नाका से बीएनएन कॉलेज मार्ग पर विद्यार्थियों को अवैध आटोरिक्शा स्टैंड वजह से पैदल भी सुरक्षित चलना बेहद मुश्किल है.बीएनएन कालेज रोड अति व्यस्ततम होने के बावजूद मनपा एवम ट्रैफिक विभाग का कोई ध्यान जाम नियंत्रण पर नहीं रहता है.कॉलेज रोड पर आए दिन महिलाओं से चेन स्नेचिंग, छात्राओं से धक्का-मुक्की एवम राहगीरों से दादा गीरी, बदसलूकी की घटनाएं घटित होती हैं जिसका प्रमुख कारण आटोरिक्शा वालों की भारी भीड़ ही है.भयंकर जाम में फंसी इमरजेंसी सेवाएं भी समय से अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच रही हैं. एंबुलेंस में उपचार के लिए जाने वाले मरीज भी जाम में फंसकर दुख भोगते हैं.शहर के जागरूक नागरिकों का आरोप है कि मनपा प्रशासन एवं ट्रैफिक विभाग शहर में लग रहे भारी यातायात जाम की समस्या को जान समझ कर भी कोई जरूरी कदम नहीं उठा रहा है.

> मनपा प्रशासन शहर में हो रहे भारी जाम को लेकर बेहद गंभीर है. दिन में भारी वाहनों की प्रवेश बंदी के लिए ट्रैफिक विभाग को कई बार लिखित पत्र दिया है. ट्रैफिक विभाग से चर्चा कर आटोरिक्शा स्टैंड की जांच कर अवैध रिक्शा स्टैंड को हटाया जाएगा. ट्रैफिक विभाग एवम ऑटोरिक्शा यूनियनों से चर्चा कर आवश्यक जगहों पर ही रिक्शा स्टैंड बनाने की मंजूरी मिलेगी. मनपा निर्देश का उलंघन एवम मनमानी करने वाले ऑटो चालकों, यूनियन पर पुलिस में मामला दाखिल कराया जाएगा.
>
> **-अजय वैद्य,** प्रशासक, आयुक्त

ठाणे के एक अस्पताल को जाली दस्तावेजों पर मुख्यमंत्री राहत कोष से मिली सहायता

- **RTI में खुलासा**

ठाणे. ठाणे के एक अस्पताल ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राहत कोष से वित्तीय सहायता हासिल की। एक आरटीआई में इस बात का खुलासा हुआ है।

आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय से उनके (सीएम) पदभार संभालने के बाद पिछले दो वर्षों में मुख्यमंत्री राहत कोष से संबंधित फर्जी या धोखाधड़ी के मामलों के बारे में विवरण मांगा था। जवाब में, मुख्यमंत्री राहत कोष के सहायक लेखा अधिकारी संजय तांबे ने ठाणे पूर्व के अंबिवली में गणपति मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के डॉ. अनुदुर्ग धोनी से संबंधित मामले को स्वीकार किया है।

सीएम कार्यालय ने कहा है कि डॉ. धोनी के अस्पताल, उनके

स्टाफ और उनसे जुड़े अन्य लोगों पर सरकार को सौंपे गए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने का संदेह है। हालांकि, आर्थिक सहायता की सटीक राशि, किस उद्देश्य के लिए या इसे कथित फर्जी लाभार्थी को कब वितरित किया गया था, किस तरह के फर्जी दस्तावेज जमा किए गए थे और अन्य प्रासंगिक विवरण कार्यकर्ता को आरटीआई के जवाब में नहीं दिए गए हैं।

मामला सामने आने के बाद, जवाब में सीएम कार्यालय ने तुरंत मुंबई पुलिस आयुक्त को मामले की जांच करने और 6 नवंबर 2023 को जरूरत के अनुसार केस दर्ज करने के लिए कहा था।

आरटीआई कार्यकर्ता गलगली ने 30 नवंबर 2023 को अपने सवाल में कहा कि यह एक परेशान करने वाला मामला है। सीएमओ को सभी लाभार्थियों की सूची के साथ-साथ सीएम राहत कोष से प्राप्त वित्तीय सहायता के प्रकार और सटीक राशि के विवरण को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करना चाहिए।

आरटीआई कार्यकर्ता ने आग्रह किया, इससे ऐसे कई और मामलों को उजागर करने तथा ऐसी धोखाधड़ी प्रथाओं को समाप्त करने में मदद मिल सकती है। साथ ही उन वास्तविक व्यक्तियों को भी लाभ होगा, जिन्हें ऐसी वित्तीय मदद की जरूरत है।

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को मिली बड़ी राहत

CBI ने अदालत में क्लोजर रिपोर्ट की पेश

ठाणे. सीबीआइ ने पर्याप्त सुबूतों के अभाव में मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह और अन्य के खिलाफ दर्ज जबरन वसूली के मामले को बंद करने के संबंध में रिपोर्ट पेश की है। जांच एजेंसी ने 18 जनवरी को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ठाणे के समक्ष एक क्लोजर रिपोर्ट पेश की।

अदालत इस पर फरवरी में विचार कर सकती है। सीबीआइ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मामले में तथ्य और परिस्थितियां आरोपों को साबित नहीं करतीं। क्लोजर रिपोर्ट में कहा गया है कि 2016-2017 के दौरान हुई घटना के बारे में शिकायत 2021 में कराई गई। इस समय तक वे सुबूत उपलब्ध नहीं थे जो सच्चाई को साबित करते।

स्थानीय व्यवसायी शरद अग्रवाल ने जुलाई 2021 में ठाणे के कोपरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया था। उन्होंने दावा किया था कि सिंह और कुछ रियल एस्टेट

डेवलपर समेत अन्य आरोपितों ने उनकी जमीन हड़पने के लिए उन्हें धमकी दी थी और जबरन दो करोड़ रुपये उगाह लिए थे।

'शिकायतकर्ता के आरोप साबित करने के लिए नहीं मिले कोई सुबूत'

बाद में मामला जांच के लिए सीबीआइ को सौंप दिया गया। एजेंसी ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट में कहा है कि उसने शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की सत्यता को परखा और पाया कि साक्ष्य का अभाव है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शिकायतकर्ता ने जो दावे किये उसे साबित करने के लिए कोई भी सुबूत नहीं हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि अग्रवाल ने बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से अपनी जमीन देने का समझौता किया था। शिकायतकर्ता के आरोप साबित करने के लिए कोई सुबूत नहीं मिले।

ऑनलाइन धोखाधड़ी का कंप्यूटर तकनीशियन शिकार

एक महीने में गंवाए 17.33 लाख रुपए

कल्याण. डोंबिवली का एक कंप्यूटर तकनीशियन ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गया है। बता दें कि जालसाजों ने उसे कुछ कार्यों की रेटिंग करके और बिटकॉइन में निवेश करके जल्दी पैसा कमाने का वादा किया था। इस घटना की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को दी।

डोंबिवली टाउनशिप निवासी पीड़ित ने 8 दिसंबर, 2023 से 9 जनवरी तक धोखाधड़ी में 17.33 लाख रुपये खो दिए। अधिकारी ने कहा, पीड़ित को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए मोटी रकम कमाने के ऑफर के साथ संपर्क किया गया था। उन्हें कुछ ऑनलाइन कार्यों की रेटिंग करने और बिटकॉइन में निवेश करने पर भारी रिटर्न का वादा किया गया था। पीड़ित ने एक महीने में 17.33 लाख रुपये का निवेश किया। उन्हें कोई रिटर्न नहीं मिला और उनका निवेश भी ब्लॉक हो गया।

जाहीर सूचना

मैं श्रीमती. अलेयम्मा थॉमस घोषित करती हूं कि सर्वे नंबर 26, हिसा नंबर 2, 1 (65/1) फ्लैट नंबर-104/1 फ्लोर एफ-विंग, कृष्णा अपार्टमेद जेड.पी. हिल्स, पोस्ट-खूंटावली, ता. अंबरनाथ प.-421501 मैंने और मेरे पति श्री थॉमस मथाई वलूपरमपिल रोहन कंस्ट्रक्शन के पार्टनर कृष्णा ज़िपा पाटिल से खरीदा था. उक्त करारनमा पंजीकरण संख्या -1665/2012 दि. 28/03/2012 को स.दुय्यम उप निबंधक रजिस्ट्रार उल्हासनगर -3 के कार्यालय में पंजीकृत किया गया था। मेरे पति थॉमस मथाई वलुपरमपिल की मृत्यु 12/07/2020 को हो गया है। और मेरे पति और मेरे दो वारीस हैं लिविन थॉमस वलूपरमपिल और साजन थॉमस वलूपरमपिल. उक्त संपत्ति का पुनर्विकास किया जा रहा है। अगर किसी को इस संपत्ति पर कोई आपत्ति है तो उसे लिखित साक्ष्य के साथ मेरे पास भेजें। 15 दिनों के भीतर नीचे दिया गया। पते पर उसके बाद अपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा, कृपया ध्यान दें।

सही/-
श्रीमती अलेयम्मा थॉमस,
फ्लैट नंबर-104/पहली मंजिल एफ-विंग,
कृष्णाकॉम्प्लेक्स, जेड.पी.हिल्स, पोस्ट-खुंटावली,
ता.-अम्बरनाथ (पश्चिम), ठाणे-421501

SST कॉलेज ने किया DLLE इकाई के 'उड़ान' महोत्सव का सफल आयोजन

मुंबई विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग एंड एक्सटेंशन (डीएलएलई) यूनिट और एसएसटी कॉलेज की डीएलएल यूनिट के सहयोग से एसएसटी कॉलेज में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए 'उड़ान' उत्सव बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। नुक्कड़ नाटक, पोवाड़ा, भाषण, पोस्टर मेकिंग और सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। ये प्रतियोगिताएं मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न कॉलेजों में आयोजित की जाती हैं। एसएसटी कॉलेज में यह उत्सव तीसरी बार आयोजित किया गया

था। इसके उद्घाटन के अवसर पर मुंबई विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और मुंबई विश्वविद्यालय की डीएलएलई इकाई के निदेशक डॉ. बलिराम गायकवाड़ ने ऑनलाइन उपस्थिती देकर छात्रों का मार्गदर्शन किया एवं विद्यार्थियों को शुभेच्छाए दी। इसके साथ ही मुंबई यूनिवर्सिटी की डीएलएलई यूनिट के प्रो.डॉ. कुणाल जाधव, डॉ.विश्वंभर जाधव, एसएसटी कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ.पुरस्वानी, डीएलएलई के जिला समन्वयक प्रो. दिलीप आहूजा उपस्थित रहे।इन प्रतियोगिताओं में 20 से अधिक कॉलेजों के 200 से अधिक प्रतियोगियों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई और अपने विभिन्न कौशल का बखूबी प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षकों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विजेता प्रतियोगियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के दौरान डॉ. कुणाल जाधव ने उड़ान महोत्सव के उत्कृष्ट आयोजन के लिए एसएसटी कॉलेज की विशेष रूप से सराहना की। महोत्सव का आयोजन एसएसटी कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ.पुरस्वानी एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में डीएलएलई के जिला समन्वयक प्रो. दिलीप आहूजा, प्रो. नम्रता सिंह, प्रो. मंजू जुरियानी, प्रो. कुमकुम गुरबानी और स्वयंसेवकों ने इसे सफलतापूर्वक किया।

भिवंडी में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की छापेमारी

12.50 लाख रु. का गुटखा जब्त, टेंपो चालक गिरफ्तार

भिवंडी. भिवंडी शहर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से गुटखा बेचने वाले माफियाओं का हब बन गया है, जिसके खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कार्रवाई करने के लिए कमर कस ली है। पिछले महीने भिवंडी में गुटखा बेचने वाले 30 से अधिक खुदरा गुटखा विक्रेता पान टपरी मालिकों पर कार्रवाई के बाद मंगलवार को विभाग ने शहर में छापेमारी कर 12.50 लाख रुपये का गुटखा स्टॉक जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, भिवंडी के खंडू पाड़ा रोड पर बाबा होटल क्षेत्र में एक टेम्पो से गुटखा आने की सूचना मिलने पर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मेघना पवार और ठाणे के माणिक जाधव ने उस स्थान पर जाल बिछाया और निरीक्षण किया।

दोपहर में संदिग्ध टेंपो, 12 लाख 45 हजार 600 रुपए मिले। इसके बाद टेम्पो चालक मोहम्मद अली अंसार खान को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उक्त गुटखा विक्रेता लालाभाई उर्फ जावेद, राजकुमार सपाटे व गुलज़ार अहमद शेख का निकला। खाद्य एवं औषधि प्रशासन कि अधिकारियों की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने उक्त चारों के खिलाफ मामला दर्ज किया और टेम्पो चालक मोहम्मद अली अंसार खान को गिरफ्तार कर लिया।

आम सूचना

मैं श्रीमती पदमा होलाराम शिवलानी सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 101, अमृत साई अपार्टमेंट, पहला माला, पुलिस स्टेशन के पीछे, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 16एआय017616900) उक्त प्रॉपर्टी श्री बक्षोमल जे. गंगवानी के नाम पर है। श्री गिरधानी होलाराम शिवलानी व श्री रवि होलाराम शिवलानी ने रिलीज एग्रीमेंट द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती पदमा होलाराम शिवलानी

6 साल बाद कमबैक करेंगी प्रीति जिंटा

- **ज्यादा पैसे कमाने के लिए एक्टिंग छोड़कर IPL से जुड़ी थीं**
- **अब 183 करोड़ की मालकिन**

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा 49 साल की हो गई हैं। प्रीति बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में शुमार की जाती हैं। उन्होंने 'कल हो ना हो', 'कभी अलविदा ना कहना', 'कोई मिल गया', 'सलाम नमस्ते', 'वीर जारा' समेत कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई थी। प्रीति अब अमेरिका में सेटल हो चुकी हैं जहां वह पति जीन गुडइनफ और दो बच्चों के साथ रहती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रीति सनी देओल स्टारर फिल्म 'लाहौर 1947' से कमबैक कर सकती हैं। हाल ही में उन्हें इस फिल्म के लुक टेस्ट के लिए मुंबई के एक स्टूडियो में भी देखा गया था। प्रीति आखिरी बार 'भैयाजी सुपरहिट' में नजर आई थीं। ये फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में काम करना बंद कर दिया, क्योंकि वो क्रिकेट वर्ल्ड से जुड़ चुकी थीं। 2008 में ही वो IPL में पंजाब किंग्स की को-ओनर बन गई थीं। सफल करियर के बावजूद प्रीति ने बॉलीवुड क्यों छोड़ा और

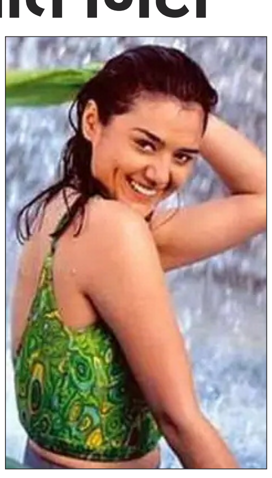

क्रिकेट वर्ल्ड से क्यों जुड़ीं।

13 साल की उम्र में पिता को खो चुकी हैं प्रीति

प्रीति का जन्म 31 जनवरी, 1975 को शिमला, हिमाचल प्रदेश में हुआ था। उनके माता-पिता का नाम दुर्गानंद जिंटा और नीलप्रभा है। प्रीति के पापा इंडियन आर्मी में ऑफिसर थे। जब प्रीति 13 साल की थीं तभी उनके पिता की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई थी।

इस एक्सीडेंट में उनकी मां को भी गंभीर चोटें आई थीं जिसके कारण वह दो साल तक बिस्तर पर थीं। काफी इलाज के बाद उनकी स्थिति में सुधार हो सका। इस हादसे का प्रीति की लाइफ पर भी गहरा असर पड़ा था। उन्हें इससे उबरने में काफी वक्त लगा था।

चीन के लिए जासूसी करते पकड़ा गया कबूतर

- **पुलिस ने 8 महीने बाद दी रिहाई**

मुंबई. किसी जमाने में जब फोन या डाक सेवाएं नहीं हुआ करती थीं तो एक-दूसरे को संदेश भेजने का जरिया होता था-कबूतर। जी हां फिल्मों में भी हमने कबूतरों को चिट्ठी लेकर जाने के वाकये देखे हैं। लेकिन, मुंबई में कबूतर से जुड़ा ऐसा ही मामला बेहद संगीन है। चीनियों के जासूसी करने के शक में एक कबूतर को पुलिस ने पकड़ा। मुंबई पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि आठ महीने स्पेशल सेल में रखने के बाद उसे छोड़ दिया गया है।

चीनियों द्वारा जासूसी के लिए इस्तेमाल किए गए एक संदिग्ध कबूतर को आठ महीने बाद छोड़ दिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कबूतर को एक पशु चिकित्सालय में रखा गया था। आरसीएफ (राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टलाइज़र) पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि परेल इलाके में स्थित बाई सकरबाई दिनशॉ पेटिट पशु चिकित्सालय ने सोमवार को पुलिस से पक्षी को छोड़ने की अनुमति मांगी थी, जिसके बाद मंगलवार को उसे छोड़ दिया गया। कबूतर को पिछले साल मई में आरसीएफ पुलिस ने उपनगरीय इलाके चेंबूर में पकड़ा था। पुलिस ने बताया कि पक्षी के पैर में दो छल्ले बंधे थे, जिनमें एक तांबे का और दूसरा एल्यूमीनियम का था। उसके दोनों पंखों के नीचे चीनी जैसी लिपि में कुछ संदेश लिखे थे।

THE NAVJEEVAN CO.OP. BANK LTD.
ESTD : 1985

نوجیون کو آپریٹو بینک لمیٹڈ

NAV JEEVAN CO-OP. BANK

Head Office:
Bhawani Saw Mills Compound,
Ulhasnagar-3.
☎: 0251-2572101:2568541/Fax 2567523
Visit us at: www.navjeevanbank.com

SERVICES AVAILABLE

Features and Services of Bank

- Different types of Deposits Schemes with Attractrive Deposits Rates.
- All types of Loans & Advances facilities with Competitive Rate.
- 24x7 NEFT/RTGS Services.
- Safe and Secure Mobile Banking Service with NEFT and RTGS Services.
- Franking Service in Ulhasnagar and Thane.
- Insurance Service through corporate Partners

Upcoming Service

Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.

उल्हास वि NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
उल्हास वि NEWS

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा

लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
21Lakhs THANK YOU Viewer's
21,00,000
उल्हास वि NEWS ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099